

समाहरणालय, मधुबनी

(जिला राजस्व शाखा)

पत्रांक २२३४ जि० रा०.

प्रेषक,

समाहर्ता,  
मधुबनी।

सेवा में,

आयुक्त,  
दरभंगा प्रमण्डल, दरभंगा।

विषय:

मधुबनी, दिनांक ३०वीं जुलाई २०१४ई०।  
बिहार स्टेट पावर ट्रान्समिशन कम्पनी लि० के भावी योजना के कार्यान्वयन हेतु  
अंचल-मधेपुर मौजा- भीठ भगवानपुर(अनुमंडल-झंझारपुर) में पाँच एकड भूमि  
हस्तानान्तण संबंधी अभिलेख का प्रेषण।

प्रसंग:

आयुक्त के सचिव, दरभंगा प्रमंडल, दरभंगा के पत्रांक -३४३/रा० दिनांक ०७.०६.२०१४

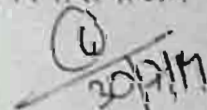
महाशय,

उपर्युक्त विषयक एंव प्रासांगिक पत्र के आलोक में कहना है कि अनुमंडल पदाधिकारी,  
झंझारपुर के पत्रांक ६४५ दिनांक २३.०७.२०१४ कि द्वारा बिहार स्टेट पावर ट्रान्समिशन कम्पनी लि० के  
भावी योजना के कार्यान्वयन हेतु मौजा- भीठ भगवानपुर(अनुमंडल-झंझारपुर) में पाँच एकड भूमि  
हस्तानान्तण अभिलेख त्रुटिमार्जन के पश्चात प्राप्त हुआ है।

अतएव अभिलेख संख्या ०१/२०१३-१४ मूल रूप में इसके साथ संलग्न करते हुए  
अनुशंसा के साथ आवश्यक स्वीकृति हेतु भेजी जाती है।

अनुलग्नक:- अभिलेख सं०-०१/२०१३-१४ मूल में

विश्वासभाजन



समाहर्ता,

मधुबनी।

राजस्व

आयुक्त कार्यालय, दरभंगा प्रमण्डल, दरभंगा

पत्रांक 02 भू0हस्ता0-14/2014

/रा0 दिनांक

आयुक्त के सचिव,  
दरभंगा प्रमण्डल, दरभंगा।

सरकार के उप सचिव,  
राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग,  
बिहार, पटना।

विहार स्टेट पावर ट्रान्समिशन कम्पनी लि0 के भावी योजना के कार्यान्वयन हेतु अंचल-मधेपुर मौजा-भीठ भगवानपुर (अनुमंडल अंझारपुर) में पांच एकड़ भूमि हस्तान्तरण के संबंध में।

प्रसंग - समाहर्ता, मधुबनी का पत्रांक 223 मु0/जि0रा0 दिनांक 30-7-14, महाशय।

निदेशानुसार उपर्युक्त विषयक प्रारणिक पत्र द्वारा प्राप्त अभिलेख संख्या 01/2013-14 मौजा भीठ भगवानपुर (अनुमंडल अंझारपुर) में पांच एकड़ भूमि के हस्तान्तरण हेतु समाहर्ता, मधुबनी की अनुशंसा से सहमत होते हुए मधेपुर अंचल के मौजा भीठ भगवानपुर थाना न0-279 खाता न0 1623, खसरा न0 7505, 7500, 7499 एवं 7506 कुल रकबा 5 (पांच) एकड़ अनावार बिहार सरकार (गैरमजरूआ खास) भूमि मो0 82,12,500/- (बिसासी लाख बारह हजार पांच सौ) रुपये की अदायगी पर बिहार स्टेट पावर ट्रान्समिशन कम्पनी लि0 की भूमि हस्तान्तरण की स्वीकृति हेतु भेजी जाती है।

अनुरोध है कि इस पर विभागीय स्तर से आवश्यक कार्रवाई करने की कृपा

की जाय।

अनुलग्नक - अभिलेख संख्या  
01/2013-14 मूल में।

विश्वासभाजन,  
ह0/-  
आयुक्त के सचिव,  
दरभंगा प्रमण्डल, दरभंगा

ज्ञापांक 02 भू0हस्ता0-14/2014 425 /रा0 दिनांक 14-5-14

प्रतिलिपि- समाहर्ता, मधुबनी को उनके पत्रांक 223 मु0/जि0रा0 दिनांक 30-7-14 के प्रसंग में सूचनार्थ प्रेषित।

आयुक्त के सचिव,  
दरभंगा प्रमण्डल, दरभंगा

बिजय  
13/8/14

नीतीश मिश्रा  
Nitish Mishra



मंत्री  
ग्रामीण विकास विभाग  
बिहार  
MINISTER  
Department of Rural Development  
Bihar

पत्रांक-1072/मि

दिनांक 27.9.2012

माननीय मंत्री,

उर्जा, संसदीय कार्य, निबंधन, उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग,  
बिहार, पटना ।

मधुबनी जिलान्तर्गत अपने निर्वाचन क्षेत्र झंझारपुर में विद्युत संसाधनों की अनुपलब्धता के फलस्वरूप विद्युत आपूर्ति की समस्या की ओर आपका ध्यान आकृष्ट करना चाहूंगा । विदित हो कि झंझारपुर एवं फुलपरास दो अनुमंडलों को मिलाकर कुल आठ प्रखंड है । जिनमें से 4 प्रखंडों में 33/11 के.भी.ए. क्षमता वाले विद्युत-उपकेन्द्र कार्यरत हैं एवं 4 अन्य प्रखंडों में भूमि चयन कर विद्युत-उपकेन्द्र की स्थापना की कार्रवाई की जा रही है ।

उल्लेखनीय है कि इन दोनों अनुमंडलों में से फुलपरास अनुमंडल में विद्युत ग्रिड कार्यरत है । झंझारपुर स्थित विद्युत उपकेन्द्र को पंडौल ग्रिड से विद्युत आपूर्ति की जाती है और इसी विद्युत उपकेन्द्र से झंझारपुर अनुमंडल के अन्य दो प्रखंड मधेपुर एवं लखनौर स्थित विद्युत उपकेन्द्रों को ब्रेकर के माध्यम से विद्युत आपूर्ति की जा रही है । फलस्वरूप मेरे विधान सभा क्षेत्र के तीनों प्रखंडों- झंझारपुर, लखनौर एवं मधेपुर में विद्युत अनुपलब्धता की समस्या बनी रहती है । इसके अतिरिक्त नारायणपुर में निर्माणाधीन 33/11 के.भी.ए. विद्युत उपकेन्द्र के लिये भी ब्रेकर के माध्यम से झंझारपुर विद्युत उपकेन्द्र के माध्यम से विद्युत आपूर्ति की जानी है । इन परिस्थितियों में झंझारपुर में उर्जा अनुपलब्धता की समस्या कायम रहेंगी ।

पंडौल ग्रिड से झंझारपुर-मधेपुर स्थित विद्युत उपकेन्द्रों की दूरी 35-40 कि.मी.0 है । संचरण लाईनों के मध्य घने बाग-बगीचे एवं पेड़ मौजूद हैं । फलस्वरूप विद्युत क्षति की मात्रा भी अधिक होती है । प्रायः पेड़-पौधों के टूटने-गिरने से संचरण तार क्षतिग्रस्त हो जाते हैं जिससे विद्युत आपूर्ति बाधित होती है ।

इस प्रकार झंझारपुर विद्युत उपकेन्द्र को पर्याप्त मात्रा में निर्बाध रूप से विद्युत आपूर्ति नहीं हो पाती है, बाबजूद इसके इसी विद्युत उपकेन्द्र से इस अनुमंडल के अन्य विद्युत उपकेन्द्रों को ब्रेकर के द्वारा विद्युत आपूर्ति किये जाने से सम्पूर्ण झंझारपुर अनुमंडल के उपभोक्ताओं को विद्युत संबंधी कठिनाईयों का सामना करना पड़ता है । वर्णित परिप्रेक्ष्य में झंझारपुर अनुमंडल में स्थित विद्युत उपकेन्द्रों की स्थिति में सुधार के लिये ग्रिड की स्थापना अति आवश्यक है ।

अतः अनुरोध है कि जनहित में झंझारपुर अनुमंडल में विद्यमान विद्युत अनुपलब्धता एवं विद्युत आपूर्ति की समस्याओं के समाधान हेतु झंझारपुर में विद्युत ग्रिड/मिनी ग्रिड की स्थापना कराने की दिशा में समुचित कार्रवाई करना चाहेंगे ।

Nitish Mishra  
(नीतीश मिश्रा) 27.9.12